समाचार पत्र

NEWS LETTER

अबुआ खबर
ABUA KHABAR

कृषि विज्ञान केंद्र, खूंटी

दियोंकेल, तोरपा, खूंटी–835227

भाकृअनुप–राष्ट्रीय कृषि उच्चतर प्रसंस्करण संस्थान, रांची–झारखण्ड

(An ISO 9001: 2015 Certified)

Vol: 02 | Issue-02 | April to June 2025 | Quarterly e-News Letter

संरक्षक
PATRON

डॉ अभिजीत कर
Dr Abhijit Kar

मुख्य संपादक
Chief Editor

डॉ. दीपक राय
Dr. Deepak Rai

वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष
Senior Scientist & Head

संपादक मंडल
Editorial Team

डॉ. राजन चौधरी
Dr. Rajan Chaudhari

श्री बृजराज शर्मा
Mr. Brijraj Sharma

डॉ. गव्हाणे किशोर पांडुरंग
Dr. Gavhane Kishor Pandurang

श्री ओम प्रकाश
Shri Om Prakash

डॉ. निखिल राज एम
Dr. Nikhil Raj M

डॉ. प्रदीप कुमार
Dr.. Pardeep Kumar

डॉ. मीर मुनीब रफीक
Dr. Mir Muneeb Rafiq

तकनीकी सहयोग
Technical Support

श्री धर्मेन्द्र सिंह
Mr. Dharmendra Singh
श्री आशुतोष प्रभात
Mr. Ashutosh Prabhat

प्रकाशक
कृषि विज्ञान केंद्र
खूंटी-835227
भाकृअनुप-राकृउप्रसं.
राँची, झारखण्ड

Publisher
KRISHI VIGYAN KENDRA
KHUNTI -835227
ICAR-NISA
Ranchi, Jharkhand
ई-मेल: kvkkhunti@gmail.com
वेबसाइट: https://khunti.kvk4.in

1 जून को दुग्ध दिवस के रूप में मनाते हैं। इस दिवस का उद्देश्य दूध पर ध्यान केंद्रित करने और स्वस्थ आहार, पौष्टिक खाद्य उत्पादन, और आजीविका व समुदायों को सहारा देने में डेयरी की भूमिका के बारे में जागरूकता बढ़ाने का अवसर प्रदान करता है। विश्व दुग्ध दिवस 2025 का विषय था "आइये डेयरी की शक्ति का जश्न मनाएं"। संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संगठन द्वारा स्थापित यह दिवस पोषण के लिए दूध के महत्व, आजीविका के स्रोत के रूप में तथा टिकाऊ खाद्य प्रणालियों के प्रमुख भाग के रूप में दूध के महत्व पर प्रकाश डालता है। इसका उद्देश्य स्वस्थ आहार, किसानों के समर्थन और अर्थव्यवस्था में डेयरी की भूमिका के बारे में जागरूकता बढ़ाना है।

June 1 celebrated as world milk. The main objectives of the Day provides an opportunity to focus attention on milk and raise awareness of dairy's part in healthy diets, responsible food production, and supporting livelihoods and communities. World Milk Day 2025 theme was "Let's Celebrate the Power of Dairy". The day, established by the Food and Agriculture Organization of the United Nations, highlights milk's importance for nutrition, as a source of livelihood, and as a key part of sustainable food systems. It aims to raise awareness about dairy's role in healthy diets, support for farmers, and the economy.

A. अनुकरणीय परीक्षण (ओएफटी) : यह वैज्ञानिकों की देखरेख में, कृषकों की सक्रिय भागीदारी और प्रबंधन के माध्यम से किसानों के खेत पर उनकी कृषि प्रणाली के परिप्रेक्ष्य में किए गए अनुसंधान का एक तरीका है। इसका मुख्य उद्देश्य वास्तविक उत्पादन स्थितियों में कृषि सम्बंधित विभिन्न समस्याओं के समाधान हेतु नवीन कृषि तकनीकियों का कृषक पद्धति के सापेक्ष मूल्यांकन करना है।

1. मूंगफली विच्छेदन यंत्र की दक्षता और श्रमशक्ति ह्रास का आकलन :

मूंगफली खूंटी जिले की एक महत्वपूर्ण तिलहन फसल है। इसके दाने को निकालने के लिए ग्रामीण महिलाये हाथ से तोड़कर दाना निकालती हैं। जिसमे समय के साथ श्रम शक्ति का ह्रास अधिक होता है। अतः इस समस्या को ध्यान में रखते हुए कृषक पद्धति के सापेक्ष मूंगफली विच्छेदन यंत्र (बैठकर और खड़े होकर) की दक्षता श्रम की बचत, छिलका उतारने का समय और कठिन परिश्रम का आकलन करने के लिए एक अनुकरणीय परीक्षण आयोजित किया गया। इस ओएफटी का उद्देश्य स्थानीय कृषि परिस्थितियों में कम शारीरिक प्रयास, उच्च उत्पादन और परिचालन सुविधा का सबसे अच्छा संयोजन प्रदान करने वाले यंत्र का मूल्यांकन करना था। इन तकनीकों में श्रम बचाने, छिलका उतारने का समय कम करने और गिरी की गुणवत्ता सुधारने की क्षमता है, जिससे खूंटी में मूंगफली की खेती की लाभप्रदता और स्थिरता में वृद्धि होगी। प्रयोग तीन तरीकों से किया गया, अर्थात् T1- किसानों द्वारा हाथ की उंगलियों से मूंगफली का छिलका उतारना, T2- बैठकर इस्तेमाल किया जाने वाला मूंगफली छिलका उतारने वाला यंत्र और T3- खड़े होकर इस्तेमाल किया जाने वाला मूंगफली छिलका उतारने वाला यंत्र। ओएफटी के परिणाम प्रतीक्षित हैं।

3. धान की उन्नत किस्मों का मूल्यांकन :

धान खूँटी ज़िले की एक प्रमुख फसल है, जो खरीफ़ में लगभग 80% क्षेत्र में बोई जाती है। हालाँकि, किसान मुख्यतः ललाट जैसी पुरानी धान की किस्मों का उपयोग करते हैं, जिसके परिणामस्वरूप उत्पादन कम होता है। इस समस्या के समाधान के लिए, विभिन्न चावल की किस्म (स्वर्ण शक्ति एवं सी आर -320) का कृषक पद्धति के सापेक्ष कृषक प्रक्षेत्र पर उपज विशेषताओं, अनाज की पैदावार, आर्थिक लाभ और स्थानीय परिस्थितियों के अनुकूलता के संदर्भ में उनके प्रदर्शन का मूल्यांकन हेतु फसल लगाई गई है। इस ओएफटी के परिणाम प्रतीक्षित हैं।

3. रागी उन्नत किस्मों का मूल्यांकन :

खूँटी ज़िले में खरीफ़ मौसम की धान के बाद रागी दूसरी सबसे महत्वपूर्ण फसल है। किसान मुख्यतः रागी की पुरानी किस्मों का उपयोग करते हैं, जिसके परिणामस्वरूप उत्पादकता कम होती है। इस समस्या के समाधान के लिए, विभिन्न चावल किस्मों (स्वर्ण शक्ति एवं सी आर -320)

A. On Farm Trial (OFT) : This is an approach of adoptive research conducted on farmer's field within their farming system perspective in their active participation and management under supervision of KVK scientists. The objective is to evaluate production practices under realistic growing conditions.

1. Assessment of efficiency and drudgery involve in groundnut decorticator :

Groundnut is an important oilseed crop of Khunti district grown in Rabi season. However, post-harvest processing, particularly decortication, remains labour-intensive and is often carried out using traditional manual methods. These conventional practices are not only time-consuming but also impose severe physical strain, especially on women, who are primarily engaged in this activity. To address this, an OFT was initiated to assess the efficiency and drudgery involved in two types of groundnut decorticators namely, sitting type and standing type. The objective of this OFT was to evaluate which method offers the best combination of reduced physical effort, higher output, and operational convenience under local farming conditions. These technologies have the potential to save labour, reduce shelling time, and improve the quality of kernels, thereby increasing the profitability and sustainability of groundnut farming in Khunti. Experiment was conducted in three treatments i.e. T1- farmers practice-groundnut shelling by fingertip of hand, T2- sitting type groundnut decorticator and T3- standing type groundnut decorticator. Results of the OFT are awaited.

2. Evaluation of improved varieties of paddy crop :

Paddy is a major cereal crop in Khunti district, covering around 80% of the area during the Kharif season. However, farmers predominantly use older paddy varieties, like Lalat, which results in low productivity. To address this issue, conducting on-farm trials with different rice varieties which can help to evaluate and compare their performance in terms of yield attributes, grain yield, economics and adaptability to local conditions. Results of the OFT are awaited.

3. Evaluation of improved varieties of finger millet:

Finger millet is a 2^{nd} important cereal crop of Khunti district after the rice in the Kharif season. However, farmers predominantly use older finger millet varieties which results in low productivity. To address this issue, conducting on-farm trials with different

का कृषक पद्धति के सापेक्ष कृषक प्रक्षेत्र पर उपज विशेषताओं, अनाज की पैदावार, आर्थिक लाभ और स्थानीय परिस्थितियों के अनुकूलता के संदर्भ में उनके प्रदर्शन का मूल्यांकन हेतु फसल लगाई गई है। इस ओएफटी के परिणाम प्रतीक्षित हैं।

finger millet varieties which can help to evaluate and compare their performance in terms of yield attributes, grain yield, economics and adaptability to local conditions. Results of the OFT are awaited.

B. अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन (एफएलडी) :

क्र. सं	फसल	प्रजाति	क्षेत्रफल (हेक्टेयर)	प्रदर्शनों की संख्या
1.	मूंगफली	बीजी-4	5	13
2.	धान	स्वर्ण श्रेया	10	25
3.	रागी	जीपीयू-28	10	26

B. Front Line Demonstrations (FLD):

S.N.	Crop	Varieties	Area (ha.)	No. of Demo.
1.	Groundnut	BG-4	5	13
2.	Paddy	Swarn Shreya	10	25
3.	Finger millets	GPU-28	10	26

C. प्रशिक्षण कार्यक्रम : यह गतिविधि किसानों के ज्ञान संवर्धन और उनकी कृषि सम्बंधित समस्याओं के निदान के लिए आयोजित की गई। कृषि विज्ञान केंद्र, खूँटी द्वारा अप्रैल से जून 2025 तक 5 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया , जिनमें 138 कृषकों ने प्रतिभाग किया।

C. Training Programs : This activity was organized to upgrade the knowledge and mitigate the field problems of farmers. KVK, Khunti organized 5 training programs from April to June 2025 where 138 farmers were participated.

D. अन्य प्रसार गतिविधियाँ : जन जागरूकता हेतु कृषि विज्ञान केंद्र, खूँटी द्वारा विभिन्न प्रकार की प्रसार गतिविधियाँ आयोजित की गईं। इसके अंतर्गत 51 कार्यक्रम आयोजित किए गए जिनमें 11722 (पु.-4711 एवं म.-7011) कृषकों एवं प्रसार कर्मियों ने भाग लिया। जिसका विवरण निवन्वत है:

D. Other Extension Activities : For mass awareness different types of extension activates had conducted by KVK, Khunti. Under which 51 programs were organized where 11722 (M-4711&F-7011) farmers and extension personnel participated Details are as follows:

1. **कृषि चौपाल :** कृषि चौपाल, डीडी किसान पर प्रसारित एक सूचनात्मक टेलीविजन कार्यक्रम है, जो भारतीय किसानों की जरूरतों को समर्पित एक सरकारी चैनल है। कृषि चौपाल का मुख्य उद्देश्य खेती के विभिन्न पहलुओं पर व्यावहारिक और सामयिक जानकारी प्रदान करना है। यह कृषि से संबंधित विभिन्न विषयों को शामिल करता है। कृषि विश्वविद्यालयों और अनुसंधान संस्थानों सहित आईसीएआर के विशेषज्ञ सरल और समझने योग्य भाषा में अपना ज्ञान साझा करने के लिए इस शो में भाग लेते हैं। कार्यक्रम की एक अनूठी विशेषता इसका संवादात्मक प्रारूप है। किसान प्रश्न पूछ सकते हैं, अपनी चुनौतियों को साझा कर सकते हैं और व्यक्तिगत सलाह प्राप्त कर सकते हैं। यह कार्यक्रम सरकारी योजनाओं, सब्सिडी और प्रगतिशील किसानों की सफलता की कहानियों पर भी प्रकाश डालता है, जिससे दूसरों को नवीन तकनीकियों को अपनाने की प्रेरणा मिलती है। जनवरी से मार्च के दौरान, कृषि विज्ञान केंद्र, खूंटी के प्रशिक्षण हॉल में कृषि चौपाल के तीन एपिसोड ऑनलाइन किसानों को दिखाया गया। प्रत्येक कार्यक्रम का विवरण नीचे दी गई तालिका में दिया गया है।

एपिसोड	विषय	दिनांक
पांचवां एपिसोड	मखाना बोर्ड बदल देगा मखाना किसानों की किस्मत	12 अप्रैल, 2025
छठवां एपिसोड	आम की खेती	10 मई , 2025
सातवाँ एपिसोड	खरीफ फसलों का प्रबंधन	8 जून, 2025

1. **Krishi Chaupal :** Krishi Chaupal is an informative television program aired on DD Kisan, a government-run channel dedicated to the needs of Indian farmers. The main objective of Krishi Chaupal is to provide practical and timely information on various aspects of farming. It covers various topics related to agriculture. Experts from ICAR including agricultural universities and research institutions participate in the show to share their knowledge in simple and understandable language. A unique feature of the program is its interactive format. Farmers can ask questions, share their challenges, and get personalized advice. The show also highlights government schemes, subsidies, and success stories of progressive farmers, inspiring others to adopt innovative methods. During January to March, three episodes of Krishi Choupal were streamed online at the training hall of KVK, Khunti. The details of each program are given in following table.

Episode	Subject	Date
5th Episode	Makhana Board will change the fate of Makhana farmers	12th April, 2025
6rd Episode	Mango cultivation	10th May, 2025
7th Episode	Management of Kharif Crops	8th June, 2025

2. **विश्व मधुमक्खी दिवस:** केवीके, खूंटी में बड़े उत्साह के साथ 20 मई को मनाया गया,जिसमें पारिस्थितिक संतुलन बनाए रखने और टिकाऊ कृषि का समर्थन करने में मधुमक्खियों की आवश्यक भूमिका पर प्रकाश डाला गया। 20 मई को हर साल वैश्विक स्तर पर मनाया जाने वाला विश्व मधुमक्खी दिवस का उद्देश्य मधुमक्खियों जैसे परागणकों के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाना है, जो दुनिया की लगभग 75% खाद्य फसलों के परागण के लिए जिम्मेदार हैं। 2025 का थीम, "हम सभी का पोषण करने के लिए प्रकृति से प्रेरित मधुमक्खी," प्राकृतिक पारिस्थितिक तंत्र, जैव विविधता और हमारी खाद्य प्रणालियों के बीच संबंध पर जोर देता है। केवीके खूंटी के प्रमुख ने बताया कि दुनिया की लगभग 75% खाद्य फसलें कम से कम आंशिक रूप से मधुमक्खियों जैसे परागणकों पर निर्भर करती हैं। सफल स्थानीय मधुमक्खी पालकों ने अपने अनुभव, चुनौतियाँ और मधुमक्खी पालन को लाभदायक बनाने के लिए अपनाई गई रणनीतियों को साझा किया। उनकी कहानियों ने कई नए प्रतिभागियों को मधुमक्खी पालन अपनाने के लिए प्रेरित किया।

2. **World Bee Day :** This event was celebrated on 20th May with great enthusiasm at KVK, Khunti, highlighting the essential role of bees in maintaining ecological balance and supporting sustainable agriculture. Observed globally every year on May 20th, World Bee Day aims to raise awareness about the importance of pollinators like bees, who are responsible for the pollination of nearly 75% of the world's food crops. The 2025 theme, "Bee inspired by nature to nourish us all," emphasized the connection between natural ecosystems, biodiversity, and our food systems. The Head of KVK Khunti, Dr. Deepak Rai explained that nearly 75% of the world's food crops depend, at least in part, on pollinators like bees. He also stressed that the declining population of bees due to habitat loss, pesticide use, climate change, and disease is a serious concern, especially for an agrarian region like Khunti.

3. **अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस :** कृषि विज्ञान केंद्र (केवीके), खूंटी में 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2025 मनाया गया.यह कार्यक्रम कर्मचारियों, स्थानीय किसानों, ग्रामीण युवाओं और महिला स्वयं सहायता समूहों की सक्रिय भागीदारी के साथ आयोजित किया गया। इस वर्ष यह कार्यक्रम, "एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग" विषय पर आधारित था। यह विषय ग्रामीण समुदायों और कृषि वैज्ञानिकों के साथ गहराई से जुड़ा है, जहाँ कल्याण और पर्यावरण संरक्षण एक साथ चलते हैं। केवीके खूंटी के प्रमुख ने सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया और जीवन स्तर में सुधार लाने में योग के महत्व पर प्रकाश डाला, खासकर श्रम-प्रधान कृषि गतिविधियों में लगे ग्रामीण लोगों के लिए। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि योग न केवल शारीरिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाता है, साथ ही तनाव, चिंता और थकान को भी कम करता है, जो कृषि और जलवायु की अनिश्चितताओं के कारण किसानों के सामने आने वाली आम चुनौतियाँ हैं। कार्यक्रम का समापन धन्यवाद प्रस्ताव तथा सभी उपस्थित लोगों द्वारा व्यक्तिगत कल्याण के लिए योग को अपनी दैनिक दिनचर्या में शामिल करने तथा अपने समुदायों में इसके लाभों के बारे में जागरूकता फैलाने की सामूहिक शपथ के साथ हुआ।

3. **International Yoga Day :** International Yoga Day 2025 was celebrated at Krishi Vigyan Kendra (KVK), Khunti on 21st June with active participation from staff members, local farmers, rural youth, and women's self-help groups. The event aligned with the national theme for the year, "Yoga for One Earth, One Health". This theme resonates deeply with rural communities and agricultural scientists, where well-being and environmental stewardship go hand in hand. The Head of KVK Khunti, Dr. Deepak Rai welcomed all the participants and highlighted the significance of yoga in improving the quality of life, especially for rural populations engaged in labour-intensive agricultural activities. He emphasized how yoga not only enhances physical health but also reduces stress, anxiety, and fatigue which are the common challenges faced by farmers due to the uncertainties of agriculture and climate. The program concluded with a vote of thanks and a collective pledge by all attendees to incorporate yoga into their daily routines for personal well-being and to spread awareness about its benefits within their communities.

4 विश्व पर्यावरण दिवस :

केवीके, खूंटी के द्वारा 5 जून , 2025 को विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया, यह आयोजन किसानों, कर्मचारियों और स्थानीय समुदाय के सदस्यों की ओर से बड़े उत्साह और सक्रिय भागीदारी के साथ किया गया। यह कार्यक्रम संयुक्त राष्ट्र द्वारा घोषित विषय "भूमि पुनर्स्थापन, मरुस्थलीकरण और सूखे से बचाव" के अनुरूप आयोजित किया गया था। इस आयोजन का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण और कृषि और ग्रामीण विकास में टिकाऊ प्रथाओं के महत्व पर प्रकाश डाला गया। खूंटी के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं कृषि विज्ञान केंद्र के प्रमुख ने बंजर भूमि को पुनर्स्थापित करने और पर्यावरण-अनुकूल कृषि पद्धतियों को अपनाने की तत्काल आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने बताया कि किस प्रकार पर्यावरणीय क्षरण किसानों की आजीविका को सीधे प्रभावित करता है, खासकर खूंटी जैसे क्षेत्र में जहाँ कृषि प्राकृतिक संसाधनों पर अत्यधिक निर्भर है। मृदा अपरदन, वनों की कटाई और अनियमित वर्षा जैसे मुद्दों पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए, जो कि इस क्षेत्र को तेजी से प्रभावित कर रहे हैं। समारोह का समापन शपथ ग्रहण समारोह के साथ हुआ , जहां सभी उपस्थित लोगों ने पर्यावरण की रक्षा करने, प्लास्टिक के उपयोग को कम करने और अपने दैनिक जीवन में हरित प्रथाओं को बढ़ावा देने की शपथ ली।

4. World Environment Day :

KVK, Khunti, celebrated World Environment Day on 5th June, 2025 with great enthusiasm and active participation from farmers, staff members, and local community members. The event was organized in line with the global theme declared by the United Nations, which focused on "Land Restoration, Desertification, and Drought Resilience." The celebration aimed to spread awareness about environmental conservation and highlight the importance of sustainable practices in agriculture and rural development. The senior scientist cum Head of KVK, Khunti, Dr. Deepak Rai emphasized the urgent need to restore degraded lands and adopt eco-friendly agricultural practices. He highlighted how environmental degradation directly impacts the livelihood of farmers, especially in a region like Khunti, where agriculture is highly dependent on natural resources. Special attention was given to issues like soil erosion, deforestation, and erratic rainfall patterns that are increasingly affecting the region.

5. विकसित कृषि संकल्प अभियान (वीकेएसए) :

केवीके, खूंटी राष्ट्रव्यापी कार्यक्रम विकसित कृषि संकल्प अभियान (वीकेएसए) का आयोजन 29 मई से 12 जून 2025 बीच किया गया। कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय और भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) द्वारा शुरू किया गया यह महत्वाकांक्षी अभियान, भारत के कृषि क्षेत्र और कृषक समुदाय को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। केवीके खूंटी ने इस व्यापक राष्ट्रीय पहल के लिए एक महत्वपूर्ण स्थानीय केंद्र के रूप में कार्य किया, जिसका उद्देश्य कृषि अनुसंधान (प्रयोगशाला) और खेत पर कृषि पद्धतियों (भूमि) के बीच की खाई को काम करना और किसानों को आगामी खरीफ (मानसून) फसल मौसम के लिए तैयार करना था। किसानों को विशेषज्ञों के साथ

5. Viksit Krishi Sankalp Abhiyan (VKSA)- from 29 May to 12 June 2025 :

KVK Khunti, has been an active participant in the nationwide Viksit Krishi Sankalp Abhiyan (VKSA)- program. This ambitious campaign, launched by the Ministry of Agriculture and Farmers Welfare and the Indian Council of Agricultural Research (ICAR), is a significant stride towards modernizing India's agricultural sector and empowering its farming community. KVK Khunti served as a crucial local hub for this broader national initiative, aiming to bridge the gap between agricultural research (Lab) and on-the-ground farming practices (Land) while preparing farmers for the upcoming Kharif (monsoon) cropping

सीधे संवाद करने, अपनी कृषि संबंधी चुनौतियों को साझा करने और व्यक्तिगत समाधान खोजने का एक मंच प्रदान किया। इस कार्यक्रम में नई कृषि तकनीकों का लाइव प्रदर्शन भी शामिल था। इस व्यापक दृष्टिकोण ने केवीके खूंटी में आयोजित इस कार्यक्रम को एक समग्र शिक्षण अनुभव बना दिया, जिससे किसानों को अपने खेतों को अधिक लाभदायक और टिकाऊ बनाने के लिए आवश्यक ज्ञान और उपकरण प्राप्त हुए। यह अभियान एक महत्वपूर्ण प्रतिक्रिया तंत्र के रूप में भी कार्य करता है। केवीके खूंटी जैसे आयोजनों में प्रत्यक्ष बातचीत से कृषि नीति निर्माताओं और वैज्ञानिकों को कृषक समुदाय से वास्तविक समय पर प्रतिक्रिया प्राप्त करने का अवसर मिलता है। यह जानकारी क्षेत्रीय चुनौतियों की पहचान करने, सरकारी योजनाओं की जमीनी स्तर पर प्रभावशीलता को समझने और किसानों की वास्तविक आवश्यकताओं के अनुरूप भविष्य के अनुसंधान और नीतियाँ तैयार करने के लिए अमूल्य है।इस कार्यक्रम में तीन टीम ने कुल 6 ब्लॉक,45 पंचायत ,135 गॉव एवं 14897 कृषकों (1897 पुरुष ,8529 महिला)ने प्रतिभाग किया।

season. In addition to the formal sessions, the KVK organized direct engagement platforms, often referred to as 'Kisan Chaupal'. These forums provided a space for farmers to engage in direct dialogue with experts, sharing their on-field challenges and seeking personalized solutions. The event also included live demonstrations of new agricultural technologies. This comprehensive approach made the event at KVK Khunti a holistic learning experience, empowering farmers with the knowledge and tools they need to make their farms more profitable and sustainable. The abhiyan also serves as a crucial feedback mechanism. The direct interactions at events like the one at KVK Khunti allow agricultural policymakers and scientists to gather real-time feedback from the farming community. This information is invaluable for identifying regional challenges, understanding the on-field effectiveness of government schemes, and tailoring future research and policy to the actual needs of farmers.

समाचार पत्रों में केवीके, खूंटी

प्रभात खबर

केवीके तोरपा से आज से शुरू होगा विकसित कृषि संकल्प अभियान

दैनिक भास्कर

किसानों को उन्नत खेती सिखाने के लिए कार्यक्रम

कृषि विज्ञान केंद्र जीवकोपार्जन का है एक अच्छा माध्यम : डा. राय

मधुमक्खी पालन में असीमित संभावनाएं : डा. राय

कृषक प्रक्षेत्र भ्रमण

सफलता की कहानी - किसान की जुबानी

Name : Mrs. Presan Logun

Village : Churgi

Block : Torpa

District : Khunti

श्रीमती पर्सन लोगुन ने केवीके, खूंटी के वैज्ञानिकों से मुलाकात की और रबी की खेती के अपने लंबे संघर्ष के बारे में बताया कि रबी के मौसम में उनके खेत परती रहते हैं क्योंकि उनका मानना था कि भूमि किसी भी शीतकालीन फसल के लिए उपयुक्त नहीं थी। केवीके के वैज्ञानिकों ने उनके खेत का दौरा किया, मिट्टी की स्थिति का आकलन किया और आश्वासन दिया कि वैज्ञानिक प्रबंधन और उपयुक्त किस्म के साथ, भूमि पहले से कहीं बेहतर प्रदर्शन कर सकती है। यह मुलाकात उनके लिए एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित हुई जिसने उन्हें तिल की खेती करने के लिए प्रेरित किया। वैज्ञानिकों ने उन्हें गुणवत्तापूर्ण बीज (दिव्या) उपलब्ध कराया और उचित खेत की तैयारी सहित संपूर्ण उत्पादन पैकेज के माध्यम से उनका मार्गदर्शन किया। पहली बार, उन्होंने तिल की फसल की सफल कटाई की, जिससे 6.3 क्विंटल/हेक्टेयर उपज प्राप्त हुई और उन्हें ₹19,520/हेक्टेयर की शुद्ध आय हुई। इस प्रदर्शन ने न केवल श्रीमती कोनगढ़ी को रबी की खेती से परिचित कराया बल्कि उनकी भूमि की क्षमता को भी साकार करने में मदद की। उन्होंने बहुत संतोष व्यक्त किया और बताया कि केवीके के प्रशिक्षण और निरंतर समर्थन ने उन्हें आने वाले वर्ष में रबी की फसल जारी रखने का विश्वास दिलाया।

Mrs. Presan Logun met KVK, Khunti scientists of, he shared his long-standing struggle with Rabi cultivation. For years, his field remained fallow during the Rabi season because he believed that land was not suitable for any winter crop. KVK scientists visited his field, assessed the soil conditions and assured that the scientific management and a suitable variety, The land could perform much better than he had ever seen. This meeting became the turning point that motivated his to attempt linseed cultivation. The scientists provided his with quality seed (Divya) and guided her through a complete production package including proper field preparation. For the first time, he harvested a successful linseed crop, achieving 6.3 q/ha, and net income of ₹19,520/ha. This demonstration not only introduced Smt. Logun to linseed cultivation but also helped to realize the potential of her land. She expressed great satisfaction and shared that KVK's training and continuous support gave the confidence to continue Rabi cropping in the coming year.